एक नजर में

कबड्डी स्पर्धा में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय विजेता

इन्दौर. महाराजा रणजीतसिंह कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल साइंसेस, इंदौर में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल की दो दिवसीय अंतर विश्वविद्यालयीन राज्य स्तरीय कबड्डी (पुरुष) प्रतियोगिता में फाइनल मैच में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर और विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के बीच खेला गया. जिसमें एकतरफा मुकाबले में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर ने विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन को 47-17 के अंतर से पराजित कर खिताब अपने नाम किया. इसके पहले हुए सेमीफायनल मैच में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर ने अवधेश प्रसाद विश्वविद्यालय, रीवा को कश्मकश मुकाबले में पराजित किया। दूसरे सेमीफायनल में विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन ने राजा शंकरशाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा को पराजित किया. स्पर्धा के बाद बेस्ट रेडर का खिताब उज्जैन के अर्पित चौहान, बेस्ट कैचर का खिताब वंश गौड़ और आलराउंडर का खिताब ऋषभ कुमार सिंह इन्दौर को दिया गया. सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफी के साथ मैडल कॉलेज की और से प्रदान किए गए. दो दिवसीय स्पर्धा का प्रतिवेदन क्रीड़ा अधिकारी डॉ. निलेश मंडलोई के द्वारा पढ़ा गया. पुरस्कार वितरण समारोह देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की निदेशक डॉ.सुधीरा चंदेल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ. प्रारंभ में कॉलेज के सीईओ और मैनेजिंग ट्रस्टी सतविंदर सिंह, प्राचार्य डॉ.आनंद निघोजकर और डायरेक्टर डॉ.इरा बापना, क्रीड़ा समन्वयक डॉ.मितेश चौधरी, क्रीड़ा अधिकारी डॉ.निलेश मण्डलोई ने सभी अतिथियों का स्वागत किया. इस अवसर पर वरिष्ठ खिलाड़ी सी.बी.होलकर, डॉ.शीतल भसीन, डॉ.दीपक शर्मा, डॉ.मनोज जोशी, डॉ.शिफा गोयल, प्रो.सीमा शिंत्रे, प्रो. ऋचा जोशी, प्रो.प्रवीण शर्मा, डॉ.शैलेष हिरवे, प्रो.मोनिका गोस्वामी, प्रो.प्रतिभा जैन, डॉ.सुप्रिया बंडी, डॉ.संदीप कौर, डॉ.दीप्ति बड़जात्या सहित अनेक प्राध्यापक और विद्यार्थी उपस्थित थे. संचालन डॉ.गीता सूरी ने किया. आभार डॉ.पुष्पेंद्र दुबे ने माना.

गिरीश शर्मा को देंगे लीजेंड ऑफ़ इंडिया उपाधि

इंदौर. वरिष्ठ मुद्रा विद्वान एवं सर्वश्रेष्ठ संग्राहक गिरीश शर्मा आदित्य को उनके अनमोल योगदान के लिए कोटा मुद्रा उत्सव में लीजेंड ऑफ़ इंडिया की उपाधि के साथ जीवन गौरव सम्मान से सुशोभित किया जाएगा. कोटा की प्रसिध्द संस्था मुद्रा एवं स्टैम्प्स द्वारा दिनांक 28 नवम्बर को माहेश्वरी भवन में आयोजित मुद्रा उत्सव के अवसर यह सम्मान समारोह आयोजित होगा. इंदौर मुद्रा एवं स्टैम्प्स सोसायटी के अध्यक्ष रवींद्र नारायण पहलवान ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि गिरीश शर्मा आदित्य ने मुद्रा जगत में उच्चतम स्थान प्राप्त किया है. आदित्य के मुद्रा जीवन का यह 32 वां जीवन गौरव सम्मान होगा. इतनी बड़ी संख्या में अभी तक यह सम्मान किसी अन्य को नहीं मिल पाया हैं. श्री आदित्य विगत 55 वर्षों से प्राचीन भारतीय संस्कृति, इतिहास और मुद्रा संग्रह के क्षेत्र में निष्ठापूर्वक अनुसंधान, प्रकाशन और प्रसार के लिए कार्यरत हैं. पहलवान ने बताया कि देश और विदेश के बड़े विश्वविद्यालयों, संग्रहालयों और संस्थानों में भारतीय संस्कृति संबंधी व्याख्यान प्रस्तुत कर चुके हैं तथा अपने मुद्रा संग्रह की सचित्र विडिओ, फिल्म आदि भी प्रस्तुत कर चुके हैं. कोटा के इस कार्यक्रम में सम्भवत: लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला मुख्य अतिथि रहेंगे.

एसआईआर को लेकर विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण

महू. भेरूलाल पाटीदार शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स को रविवार को एसडीएम कार्यालय में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के लिए प्रशिक्षण दिया गया. महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. प्रवीण ओझा एवं महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष एड. नीलेश पाटीदार ने बताया कि कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर एसडीएम राकेश परमार के मार्गदर्शन में कैडेट्स को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में बीएलओ की सहायता करने के लिए प्रशिक्षित किया गया. यह कैडेट्स अपने अपने निवास स्थल के क्षेत्र के बीएलओ को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सहयोग करेंगे.

शांति नगर मनकामनेश्वर महादेव मंदिर में हुआ सुंदरकांड पाठ

महू. शांति नगर स्थित मनकामनेश्वर महादेव मंदिर परिसर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया. आयोजन युवा मंच धार नाका एवं मनकामनेश्वर मंदिर समिति द्वारा संयुक्त रूप से किया गया. युवा मंच के डॉ. राम आशीष शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम में जय भोले सुंदरकांड समिति द्वारा लगभग 3 घंटे तक सुंदरकांड पाठ किया गया. इस दौरान पूरा मंदिर परिसर जय श्री राम और जय भोले के जयघोषों से गूंज उठा. पाठ के समापन पर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया. कार्यक्रम में विशेष रूप से वरिष्ठ समाजसेवी राम किशोर शुक्ला, मंदिर समिति के मुरलीधर पाटीदार, अजय काले, दिनेश पाटीदार, राहुल माली, अमोल पाटिल, पूर्व पार्षद दीपक रावत, शांताराम पाटिल, जय बहादुर, अशोक जगताप, मनोज केवट, वरुण द्विवेदी आदि मौजूद रहे. अंत में जय भोले सुंदरकांड समिति ने निरंतर तीसरे वर्ष सुंदरकांड पाठ करवाने के लिए युवा मंच के डॉ. राम आशीष शुक्ला का सम्मान करते हुए राम दरबार की तस्वीर भेंट की.

केदारनाथ धाम की तर्ज पर बना केदारेश्वर मंदिर

महू. नगर का शिवनगर क्षेत्र इन दिनों भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर है. यहां प्रदेश का पहला केदारनाथ धाम की तर्ज पर केदारेश्वर मंदिर तैयार किया गया है. मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा और नौ कुंडीय शिवशक्ति महायज्ञ का शुभारंभ हो चुका है. 2 दिसंबर तक चलने वाला यह आयोजन सकल पंच राजपूत समाज और धर्मप्रेमी ग्रामीणों की संयुक्त जिम्मेदारी में संचालित हो रहा है. यज्ञ का संचालन आचार्य डॉ. अशोक शर्मा कर रहे हैं, जबकि पूजा-विधि और अनुष्ठानों की जिम्मेदारी राम मंदिर के पुजारी पं. शेखर शर्मा के पास है. कार्यक्रम की शुरुआत गणेश पूजन के बाद कलश यात्रा से होगी. दिनभर मंत्रोच्चार और शाम को भजन-संध्या व सुंदरकांड पाठ का पाठ होगा. गांव पटेल मुखिया छीतू सिंह पटेल, तुलसीराम केलवा, जितेंद्र मस्करा, रामकिशन, जगदीश बारोड़, राजपूत युवा संगठन शिवनगर अध्यक्ष शेखर सिंह देवड़ा व राम मस्करा ने श्रद्धालुओ से आग्रह किया है कि 2 दिसंबर को होने वाले मुख्य अनुष्ठान और दोपहर 1.15 बजे शुरू होने वाले भंडारे में बड़ी संख्या में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें.

मालवा ही नहीं, पूरे देश में विश्वास का प्रतीक था देवी अहिल्या का नेतृत्व

अभ्यास मंडल की 65वीं वार्षिक व्याख्यानमाला में कैप्टन मीरा दवे ने कहा

इंदौर. मालवा की शासक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर का नेतृत्व केवल मालवांचल नहीं, बल्कि पूरे देश में नागरिकों के बीच विश्वास का प्रतीक था. लोक माता ने कभी भी सिर्फ मालवा के लिए नहीं सोचा, उन्होंने हमेशा पूरे देश के लिए सोचा है. यह विचार कैप्टन मीरा दवे ने व्यक्त किए. वे रविवार को यहां अभ्यास मंडल की 65वीं वार्षिक व्याख्यानमाला में नारी नेतृत्व से बढ़ता नागरिक विश्वास विषय पर संबोधित कर रही थीं. उन्होंने कहा कि एक बार लोकमाता अहिल्याबाई उत्तराखंड के रूप में वर्तमान में पहचाने जाने वाले क्षेत्र में भ्रमण कर रही थीं. उस समय उन्होंने देखा कि एक ग्रामीण व्यक्ति एक गाय को बुरी तरह से प्रताड़ित कर रहा है. यह देखकर लोकमाता ने तत्काल उस व्यक्ति को रोका और उसका कारण पूछा तो उस व्यक्ति ने कहा कि इस गाय ने मेरी पूरी फसल बर्बाद कर दी है, इसलिए मैं गुस्से में हूं. यह सुनकर लोकमाता अहिल्याबाई ने उस व्यक्ति को दो सोने की मोहर दीं और कहा कि इससे तुम अपने परिवार का पालन कर लेना, लेकिन गाय को प्रताड़ित मत करो.

नारी जिस तरह आभूषण धारण करती है, उसी तरह शस्त्र भी चला सकती है

कैप्टन मीरा दवे ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के निर्माण के लिए ज्ञान, सेना और पैसा जरूरी होता है. इसमें ज्ञान देवी सरस्वती देती हैं, सेना यानी शक्ति मां दुर्गा देती हैं और पैसा मां लक्ष्मी से मिलता है. महिला के हाथ में जहां चूड़ी पहनी होती है तो वह उसी हाथ से रॉकेट लांचर भी चलाती है और एके-47 भी चलाती है. पायल और चूड़ी को नारी के बंधन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए. एक नारी जिस तरह से आभूषण धारण करती है इस तरह से शस्त्र भी धारण करती है. कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक बडज़ात्या ने की. कार्यक्रम के प्रारंभ वक्ता का स्वागत प्रणिता दीक्षित और ग्रीष्मा त्रिवेदी ने किया. संचालन वैशाली खरे ने किया. अतिथि को स्मृति चिन्ह ओपी जोशी ने भेंट किया.

ऐसी थीं लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर

किसान को मोहरें देकर जब लोक माता आगे गई तो पूरे गांव के लोग अपने पशु लेकर आ गए थे और उन्होंने भी परिवार के पालन के लिए लोकमाता से मदद मांगी. यह नारी नेतृत्व था जो कि स्थिति को समझ गया. लोक माता ने गांव के सभी लोगों को सोने की मोहर दी, लेकिन उन लोगों से वचन ले लिया कि अब इस गांव में खेती की पूरी जमीन मवेशियों के चरने के लिए होगी. इसके बाद में इस गांव का नाम गोचर हो गया. आज भी यह गांव मौजूद है. नारी के नेतृत्व की जब बात की जाती है तो झांसी की रानी से लेकर जीजाबाई, झलकारी बाई की विस्तार से चर्चा करते हुए उन्होंने कई उदाहरण दिए.

शहर में कॉम्बिंग गश्त : नशे में गाड़ी चलाते 172 चालक पकड़े

- एक रात में 1070 लोगों की जांच
- 461 बदमाशों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

इंदौर. शहर में अपराध पर नकेल कसने और सड़क सुरक्षा की निगरानी बढ़ाने के लिए पुलिस ने कल रात बड़े पैमाने पर कॉम्बिंग गश्त चलाई.

इस दौरान प्रमुख चौराहों पर सघन चेकिंग की गई, जिसमें शराब के नशे में वाहन चलाते 172 चालकों को पकड़ा. सभी के खिलाफ 10-10 हजार रुपए का कोर्ट चालान बनाया गया. इनमें दोपहिया और चार पहिया दोनों तरह के वाहन चालक शामिल हैं.

अभियान के दौरान पुलिस ने हर थाना क्षेत्र के हॉट स्पॉट और शैडो एरिया में ड्रोन पेट्रोलिंग कर संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी. इसके साथ ही थाना-स्तर की टीमें बदमाशों के घरों पर भी पहुंचीं. एक ही रात में कुल 1070 बदमाशों की जांच की गई. इनमें 207 गुंडे, 58 नकबजन, 123 निगरानी बदमाश, 22 लुटेरे, 100 चाकूबाज और 41 जिलाबदर बदमाश शामिल थे. जांच में पकड़े गए बदमाशों में से 461 के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई.

शराब पीकर वाहन चलाने से बाज नहीं आ रहे लोग

पुलिस पिछले कई दिनों से लगातार शहर में सर्चिंग और धरपकड़ अभियान चला रही है, साथ ही जिलाबदर और बाउंड ओवर की कार्रवाई भी जारी है. वाहन चेकिंग में पकड़े गए 172 नशेड़ी चालकों की संख्या यह साफ दिखाती है कि सख्त कार्रवाई और भारी जुर्माने के बावजूद शहर में लोग शराब पीकर गाड़ी चलाने की आदत से बाज नहीं आ रहे हैं. पुलिस ने इस पर नाराजगी जताते हुए आगे और कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं.

हड्डियों की मजबूती के लिए स्ट्रैंथ ट्रेनिंग जरूर करें

घुटने की सर्जरी पर प्रदेश के विशेषज्ञ इंदौर में जुटे

ऑर्थोपेडिक सर्जरी के उन्नत तकनीकों को किया साझा

इंदौर. शहर में ऑर्थोपेडिक सर्जरी के उन्नत तकनीकों को साझा करने और एसीएल इन्जुरी रोकथाम पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ऑर्थोस्कोपी 2025 - एसीएल एंड बियॉन्ड द लिगामेंट का आयोजन रविवार को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में किया गया. इंदौर, रायपुर, बेंगलुरू सहित विभिन्न शहरों के वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन बड़ी संख्या में इसमें शामिल हुए.

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय तंतुवाय ने बताया कि घुटने में मौजूद एसीएल लिगामेंट दो हड्डियों को जोड़कर ज्वाइंट को स्थिर रखता है. अचानक दौड़ने, रुकने, मुड़ने या झुकने पर यही लिगामेंट शरीर को बैलेंस देता है। स्पोर्ट्स एक्टिविटी और एक्सीडेंट्स में इसकी चोट आम हो गई है. इंदौर में अब यह सर्जरी वैश्विक स्तर की तकनीक से की जा रही है. कार्यक्रम के दौरान उन तीन मरीजों की लाइव सर्जरी की गई, जिनकी पहले की गई एसीएल सर्जरी फेल हो चुकी थी. इनमें एक स्पोर्ट्स पर्सन, एक नर्सिंग स्टाफ और एक अन्य मरीज शामिल था.

डॉ. तंतुवाय ने कहा कि एसीएल सर्जरी में टनल की पोजीशन और ग्राफ्ट की स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है. इनमें तकनीकी त्रुटि हो तो सर्जरी फेल होने का खतरा बढ़ जाता है. करीब 25 मरीज प्रतिदिन इस समस्या को लेकर चिकित्सकों के पास आते हैं, जिनमें 15% मामलों में दूसरी बार सर्जरी करनी पड़ती है. कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने सलाह दी कि हड्डियों की मजबूती के लिए स्ट्रैंथ ट्रेनिंग, बैलेंसिंग एक्सरसाइज जरूर करें, अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड और रिफाइंड ऑइल से बचें, देशी घी व कोल्ड-प्रेस्ड ऑयल अधिक उपयुक्त है. विशेषज्ञों ने कहा कि एसीएल जैसी इन्जुरी से बचना मुश्किल जरूर है, पर सावधानी और ट्रेनिंग से खतरे को कम किया जा सकता है. बढ़ते स्पोर्ट्स कल्चर के साथ भारत में इस तरह की सर्जरी बढ़ रही हैं. इसलिए एसीएल इन्जुरी के बाद फीफा इलेवन प्लस प्रोग्राम अपनाना जरूरी है, जिसमें 6 से 9 महीने तक खिलाड़ियों की टेस्टिंग की जाती है. आम मरीज यह मान लेते हैं कि 3-4 महीने बाद सब ठीक है और जल्दबाजी में फिर चोट खा बैठते हैं. कार्यक्रम में पहुंचे विशेषज्ञों ने कहा ओवरवेट और स्पोर्ट्स खेलते लोगों में एसीएल की समस्या अधिक 40 वर्ष से पहले हड्डियों की मजबूती का निर्माण होता है। इसके बाद हड्डियां केवल मेंटेन होती हैं.

भारतीय हॉकी टीम के डॉक्टर ने साझा

भारतीय हॉकी टीम के चिकित्सक डॉ. प्रदीप कोचिप्पन, जो पिछले 12 वर्षों से टीम से जुड़े हैं, ने कहा स्पोर्ट्स में वापसी के बाद 20-30% खिलाड़ियों में दुबारा रप्चर का खतरा रहता है. इसी स्थिति की सर्जरी को रिविजन एसीएल रिकंस्ट्रक्शन कहा जाता है.

जो पसीने से नहाते हैं वो इतिहास बदलते हैं

महालक्ष्मी नगर जैन स्थानक भवन में गुणानुवाद महोत्सव मनाया

इंदौर. महासती शांतिकुँवर की 80 वाँ दीक्षा दिवस और 89 वीं जन्म जयंती का महोत्सव महालक्ष्मी नगर जैन स्थानक भवन के सभागार में श्रमण संघीय उपप्रवर्तक कोटा सम्प्रदाय श्रुतमुनि व निमाड सौरभ गुरूणी मैया रमणीक कुंवर के सानिध्य में तप व तपस्या के रुप में गुणानुवाद महोत्सव मनाया गया.

इस अवसर पर महासती नूतन प्रभा महाराज ने गुरुणी मैया के जीवन परिचय पर प्रभावी उध्बोधन दिया. महासाध्वी रमणीक कंवर दमु महाराज ने कहा कि मेरे ऊपर गुरुणी मैया के बहुत उपकार है. उन्होनें हमें पत्थर की मूर्ति के भांति तैयार किया है, गढ़ा है. तप शिरोमणि अक्षर मुनि महाराज ने कहा कि जो पानी से नहाते है वो लिबास बदलते है और जो पसीने से नहाते है वो इतिहास बदलते है. गुरुणी मैया ने समाज मे एकता और संगठन का इतिहास बनाया है. महावीर भवन ट्रस्ट के महामंत्री रमेश भंडारी, प्रकाश भटेवरा, सुभाष विनायका, अजित चौधरी ने भी भावांजलि व्यक्त करते हुए अपने भाव रखे. महालक्ष्मी नगर स्थानक के अध्यक्ष भगवती लाल भटेवरा ने अध्यक्षीय उध्बोधन में संत सती मंडल का आभार व्यक्त करते हुए भावांजलि व्यक्त की. नरेन्द्र कुमार, रोहित कुमार मुणोत ने गौतम प्रसादी का लाभ लिया. शहर के गणमान्य समाजजनो में रमेश भंडारी, प्रकाश भटेवरा, शुभाष विनायका, अशोक डांगी, रितेश कटकानी, अजीत चौधरी, राजकुमार पंजाबी, पारस कोठारी, नरेन्द्र मुणोत,आदी श्रावकगण उपस्थित थे. संचालन विरेन्द्र नाहर ने किया, आभार राजकुमार जी जैन ने व्यक्त किया।

गंतव्य स्थान पर पहुंचने का मार्ग बताया

उपप्रवर्तक श्रुतमुनि महाराज ने कहा कि नाव तीन प्रकार की होती है एक पत्थर की जो डूब जाती है. दूसरी कागज की जो थोड़ी चलती है और समाप्त हो जाती है ओर तीसरी नाव काष्ठ लकड़ी की होती है जो खुद तैरती है और दूसरों को तेराती है. गंतव्य स्थान पर ले जाती है. इसी प्रकार गुरुणी मैया शान्तिकुंवर ने तीसरी नाव के समान हमे धर्म, तप, त्याग, तपस्या के माध्यम से जीवन में गंतव्य स्थान पर पहुंचने का मार्ग बताया है. जो स्वयं भी तैरते है और दूसरों को भी तारते है और तारण हार बन जाते है.

स्टेशन परिसर में सक्रिय सतर्कता की पहली कड़ी हैं कुली : एसपी शुक्ला

इंदौर में कुलियों का विशेष सम्मेलन आयोजित

कुलियों को सुरक्षा और जनसेवा से जुड़े बिंदुओं पर दिया मार्गदर्शन

इंदौर. रेलवे स्टेशन को अधिक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और यात्रियों के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से इंदौर स्टेशन पर कुलियों का विशेष सम्मेलन आयोजित किया गया. इस अवसर पर रेल पुलिस अधीक्षक ने कुलियों को सुरक्षा और जनसेवा से जुड़े अहम बिंदुओं पर मार्गदर्शन दिया.

सम्मेलन में एसपी ने कुलियों को स्टेशन परिसर में सक्रिय सतर्कता की पहली कड़ी बताते हुए असामाजिक तत्वों की पहचान, संदिग्ध गतिविधियों की सूचना, यात्रियों से शिष्ट व्यवहार और परिसर की सुरक्षा में सहभागिता जैसे विषयों पर निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि उनकी सजगता कई संभावित घटनाओं को रोक सकती है. कार्यक्रम में कुलियों को जीआरपी की मानवतावादी पहल ' पटरी की पाठशाला' की भी जानकारी दी गई. बताया गया कि पटरी की पाठशाला के तहत स्टेशन क्षेत्र में नशे और जोखिमपूर्ण माहौल में फंसे बच्चों को रेस्क्यू कर नशामुक्ति, स्वास्थ्य और शिक्षा से जोड़ने का अभियान जारी है. कुलियों से ऐसे बच्चों की पहचान कर पुलिस को सूचना देने का आग्रह किया.

'हमारी सवारी भरोसे वाली' पर विस्तृत जानकारी की साझा

रेल पुलिस ने हाल ही में शुरू की गई पहल 'हमारी सवारी भरोसे वाली' के बारे में भी विस्तृत जानकारी साझा की. ऑटो चालकों के वेरिफिकेशन, क्यूआर कोड और यूनिक नंबर जैसी व्यवस्थाओं के कारण यात्रियों, विशेष तौर पर रात में सफर करने वालों को नई सुरक्षा सुनिश्चित हुई है. एसपी रेल पद्म विलोचन शुक्ला ने कहा कि कुलियों से इस जानकारी को यात्रियों तक पहुंचाने की अपील की गई. कुली सम्मेलन को स्टेशन सुरक्षा, जन-जागरूकता और यात्री सुविधा को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. पुलिस और कुलियों की संयुक्त जिम्मेदारी तथा नागरिकों की भागीदारी से स्टेशन परिसर को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने का लक्ष्य आगे बढ़ाया जा रहा है.

एक नजर में

रेसकोर्स रोड स्थित बास्केटबाल स्टेडियम पर हजारों समाजबंधुओं की मौजूदगी में जैनाचार्यों ने दिया नया नाम

मुमुक्षु से मुनिराज कलश पुण्यविजय बनते ही झूमे आर्किटेक्ट कौशिक

इंदौर. रेसकोर्स रोड स्थित बास्केटबाल स्टेडियम पर रविवार को करीब 6 घंटे चले दीक्षा महोत्सव में हैदराबाद-सिकंदराबाद के युवा आर्किटेक्ट, मुमुक्षु कौशिक कुमार खांटेड ने संसारी और अपना वैभव संपन्न जीवन त्यागकर नया वेश और नया नाम धारण कर लिया. जैनाचार्य विजय पद्मभूषणरत्न सूरीश्वर, आचार्य देव विजय जिनसुंदर सूरीश्वर एवं आचार्य विजय धर्मबोधि सूरीश्वर सहित 50 से अधिक साधु-साध्वी-भगवंतों की निश्रा में हजारों समाजबंधुओं की मौजूदगी और भगवान महावीर स्वामी, दादा शांतिनाथ और जैनाचार्यों के जयघोष के बीच जैसे ही मुमुक्षु कौशिक कुमार को ओघा सौंपा गया, वे झूमकर नृत्य करने लगे.

समवशरण की साक्षी में उन्होंने करीब 6 घंटे चले दीक्षा महोत्सव में अपना संसारी परिधान त्यागकर साधु का वेश और नया नाम खुशी-खुशी धारण किया। इस मौके पर दीक्षा मंडप से इंदौर में 11 और युवाओं की दीक्षाएँ कराने का संकल्प व्यक्त किया गया और महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान एवं अन्य राज्यों से आए दीक्षा के अभिलाषी इन 11 युवकों का परिचय कराते हुए बहुमान भी किया गया तो समूचा सभागृह एक बार फिर जयघोष से गूंज उठा. इस अवसर पर शहर के समर्पण ग्रुप की ओर से विनोद जैन, रितेश जारोली,विकास गांधी, रेसकोर्स रोड जैन श्रीसंघ की ओर से डा. प्रकाश बागानी, यशवंत जैन, प्रकाश भटेवरा, कीर्ति भाई डोसी, प्रवीण गुरूजी, युग प्रधान परिवार से निमेश भाई शाह, द्वारकापुरी संघ के संजय नाहर, कल्पक गांधी, देवेन्द्र झवेरी, कैलाश नाहर,दिलसुखराज कटारिया, पुण्यपाल सुराना, मनीष शाह,जिनेश्वर जैन,मनीष सुराना, अरुणा कोठारी, विपिन सोनी, रेखा जैन सहित अनेक जैन श्रीसंघों के प्रतिनिधि और पदाधिकारी भी मौजूद थे जिनका आयोजन समिति की ओर से बहुमान किया गया.

धन-संपदा छोड़ना मुश्किल काम

जैनाचार्यों ने जब कौशिक कुमार को संसारी वेशभूषा में मंच पर आमंत्रित कर जैसे ही सन्यास जीवन का प्रतीक ओघा उनके हाथों में सौंपा, कौशिक कुमार की खुशियों का ठिकाना नहीं रहा. विजय जिनसुंदर सूरीश्वर एवं आचार्य विजय धर्मबोधि सूरीश्वर तथा अन्य साधु-साध्वी-भगवंतों ने उन्हें उनका नया नाम मुनिराज कलश पुण्यविजय घोषित कर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किए. प्रन्यास प्रवर तत्वरूचि विजय उनके नए गुरु होंगे. अपने आशीर्वचन में जैनाचार्य विजय जिनसुंदर सूरिश्वर ने कहा कि कौशिक कुमार ने अब संसार के वैभव और प्रपंचों को छोड़कर समर्पण, संयम, त्याग और सेवा का मार्ग अपनाया है. दुनिया के धन-दौलत और धन-संपदा को छोड़ना बड़ा मुश्किल काम है. एक बच्चे से मोबाइल की लत छुड़ाना कितना कठिन काम है ये हम सब जानते हैं. वे माता-पिता और बहनें धन्य हैं जिन्होंने अपने इकलौते बेटे और भाई को जिन शासन की समृद्धि के लिए सौंपा है.